वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 75 | गुरुवार 13 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

नए जिलों को अंतिम रूप देने की तैयारी

16 तहसीलों का नोटिफिकेशन, नए जिलों का सीमांकन भी जल्द

जयपुर. कासं। प्रदेश में राजस्व विभाग ने बजट घोषणा के अनुसार 16 नए तहसीलों का नोटिफिकेशन कर दिया है। तहसीलदार व नायब तहसील की पोस्टिंग के साथ ही यहां आम जनता से जुड़े कामकाज होने लगेगा। इसके साथ ही नए जिलों के सीमांकन में भी आसानी रहेगी। अब इन तहसीलों के अनुसार जिलों का फाइनल नोटिफिकेशन होगा। तहसीलों का कार्यक्षेत्र तय होने के साथ ही अब नए जिलों के नोटिफिकेशन को अंतिम रूप देने की तैयारी हो गई है। बताया जा रहा है कि एक दो दिन में नए जिलों की घोषणा हो सकती है। राजस्व विभाग की टीम इसके लिए काम कर रही है।

तहसीलदारों की नियुक्ति भी जल्द

सीएम ने प्रशासनिक इकाइयों के विस्तार कर नए उपखंड, तहसील और उपतहसील की घोषणा की थी। नामांतरकरण, जाति प्रमाण पत्र, हैसियत प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने में लोगों की परेशानी कम होगी। **नई तहसील:** अलीगढ (टोंक), फलासियां, घासा (मावली), सायरा (उदयपुर), पिलानी, छोटी खाटू (डीडवाना),रूदावल (बयाना), गजसिंहपुरा मंडी (श्रीकरणपुर-श्रीगंगानगर), प्रतापगढ़, मांढण (बहरोड़), रामपुरा डाबड़ी (जयपुर), जालसू (जयपुर), हद (कोलायत)।

राज्यपाल से लेफ्टि. जनरल राजू की शिष्टाचार भेंट

जयपुर. कंचन केसरी। राज्यपाल कलराज मिश्र से बुधवार को राजभवन में सप्तशक्ति कमान के जनरल ऑफिसर कमाण्डिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल बी.एस. राजू ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

राहुल को गुजरात हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

राहुल गांधी के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस ने किया शहीद स्मारक पर मौन सत्याग्रह

जयपुर. कासं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस शहीद स्मारक पहुंची। बैक ड्रॉप में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी थे। एक तरफ राहुल गांधी और दूसरी तरफ राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चित्र। राहुल गांधी को मानहानि मामले में गुजरात हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। इस पर उनका साथ देने राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस ने यहां मौन सत्याग्रह का आयोजन किया था। सत्याग्रह में प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट समेत मंत्री, विधायक और संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए। दिन भर मंत्री, पदाधिकारी आते-जाते रहे। यहां आए नेताओं ने भाजपा पर मानहानि केस में राहुल गांधी को फंसाने और उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म करने का आरोप लगाया और हमला बोला। सत्याग्रह शुरू होने से पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी सहित कई मंत्रियों ने राहुल गांधी का समर्थन जताते हुए केंद्र पर वार किए। प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा-

राहुल गांधी को भगवान और अदालत से इंसाफ मिलेगा

इंसाफ की गुहार: रंधावा

प्रभारी रंधावा ने कहा- हमेशा ही इंसाफ की गुहार लगती है। पहले हम भगवान से मांगते हैं, दूसरी बार हम अदालत से इंसाफ मांगते हैं। राहुल गांधी को दोनों से इंसाफ मिलेगा। अवमानना के मामले में पहली बार किसी को इतनी बड़ी सजा दी गई है। जिस तरह की सजा राहुल गांधी को दी गई है, वह न किसी को मिली और न मिलेगी।

पीएम मोदी ने देश की छवि बिगाड़ी : डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा- बीजेपी ने अति कर दी है। इस देश की जनता अति को बर्दाश्त नहीं करती है। राहुल गांधी पर देश की छवि खराब करने का भाजपा आरोप लगा रही है। देश की छवि तो पीएम मोदी ने खराब की है, जबकि उन्होंने अमेरिका में अगली बार ट्रंप सरकार का नारा दिया था। देश में क्या चल रहा है। वह सबको पता है। धरने में शामिल हुए सचिन पायलट ने कहा- केंद्र सरकार एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। राहुल गांधी ने लोकतंत्र, अहिंसा, प्यार की बात की है। इसलिए उनको टारगेट किया जा रहा है। अपने मुद्दों के सवाल पर पायलट ने कहा- अब हम मिलकर चुनाव लडेंगे। कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। मैने जिन तीन मुद्दों को उठाया था, मेरी तीनों मांगें मान ली गई हैं। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- पीएम मोदी कांग्रेस के लोगों को मारना चाहते हैं। हम झुकने वाले नहीं हैं। नए लोग तैयार हो जाएंगे। आप उस पार्टी को चुनौती दे रहे हो जो अंग्रेजों से भी नहीं डरी। कांग्रेस के नेता डरने वाले नहीं है। खाचरियावास ने कहा- बीजेपी की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। बीजेपी की नीतियों से पूरे देश के लोग नाराज हैं।

संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय का लोकार्पण 14 जुलाई को

पोस्टर का विमोचन करा प्रदीप जी pNC आगरा नवीन जी जैन आगरा

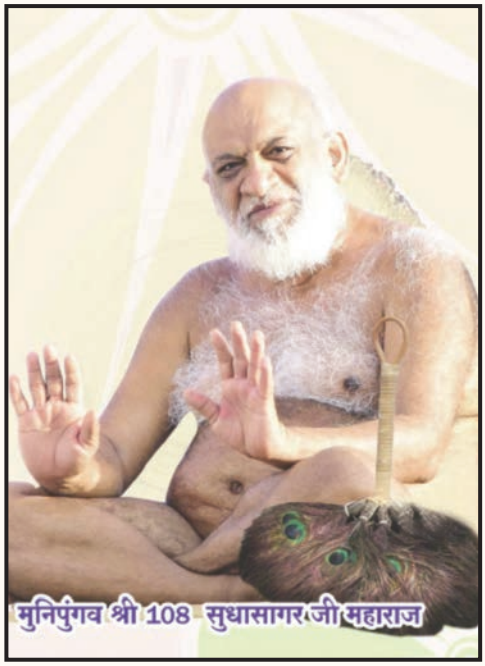

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्यश्री 108 विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद व निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर महाराज की प्रेरणा से श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत संचालित एवं स्थापित संत श्रीसुधासागर आवासीय कन्या छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण शुक्रवार 14 जुलाई को श्री दिगंबर जैन नसियां, वीरोदय नगर, सांगानेर में सुबह 9 बजे समारोहपूर्वक किया जाएगा। कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता नई दिल्ली निवासी प्रशांत जैन करेंगे। वहीं पीएनसी ग्रुप के प्रदीप जैन और पूर्व महापौर आगरा नवीन जैन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम प्रातः 7 बजे मध्यप्रदेश के प्रदीप भैया 'सुयश' के आचार्यत्व में वास्तु शुद्धि विधान होगा। इसके बाद जैन गौरव कंवरीलाल, अशोक, सुरेश और आरके मार्बल परिवार के विमल पाटनी छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। सुबह 11.30 बजे वात्सल्य भोज के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। अध्यक्ष शांति कुमार जैन ने बताया कि संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के नूतन भवन के निर्माण में सहयोगकर्ता कंवरीलाल जैन, अशोक कुमार, नंदकिशोर पहाड़िया, शांता देवी पहाड़िया, रेणु राणा, मोहित राणा, पुष्पा देवी गंगवाल, विनय और आभा सहित सम्पूर्ण भारत के श्रेष्ठीजन उपस्थित रहेंगे।

दिगंबर जैन समाज महावीर नगर की परिचय पुस्तिका 2023 का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 12 जुलाई 2023 बुधवार को दिगंबर जैन समाज महावीर नगर की परिचय पुस्तिका 2023 का विमोचन मीरा मार्ग मानसरोवर में विराजित परम पूज्य अभीक्षण ज्ञानोपयोगी वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य मुनि श्री सवानंद जी मुनि श्री जिनानंद जी मुनि श्री पुण्यानंद जी महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः प्रवचन के समय किया गया। दिगंबर जैन मंदिर महावीर नगर प्रबंध समिति के मंत्री सुनील बज ने बताया कि विमोचन के समय मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार जैन सेवानिवृत्त कढ़र, उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष गिरीश बाकलीवाल,परिचय पुस्तिका के प्रधान सम्पादक नीरज गंगवाल, कार्यकारिणी के सदस्य रमेश सोगानी, महेन्द्र अजमेरा,महावीर पांड्या चक्रेश जैन, दिनेश छाबड़ा बाबूलाल जैन नितिन पाटनी , पदम गंगवाल , शशि जैन तथा परिचय पुस्तिका के संपादक मंडल के सभी सदस्य आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया भी उपस्थित थे। प्रधान सम्पादक नीरज गंगवाल ने बताया कि पुस्तिका में महावीर नगर में रहने वाले सभी सदस्यों का विवरण दिया गया है तथा मंदिर जी में विराजित सभी प्रतिमाओं की फोटो सहित पूर्ण विवरण एवं मन्दिर जी का इतिहास का भी समावेश किया गया है। अध्यक्ष अनिल कुमार जैन ने सभी उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

253वां निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैन्स प्रत्यारोपण शिविर

दि0 जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोरएवर द्वारा आयोजित

(मानव सेवार्थ पखवाड़ा के तहत)

निदान सेवा संस्थान द्वारा

गोल्डन आई हॉस्पिटल के सौजन्य से

जिला अंधता नियंत्रण सोसायटी, संस्था के सहयोग से

शिविर स्थल : आदिश्वर गार्डन एवं रिसोर्ट, जयपुर रोड, चाकसू।

रविवार, दिनांक 16 जुलाई 2023

समय – प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक

प्रिय बन्धुओं

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि आपके चाकसू में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें गोल्डन आई हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक आंखों की जांच करेंगे तथा मोतियाबिन्द ऑपरेशन योग्य मरीजों को अस्पताल में ले जाकर निःशुल्क ऑपरेशन करेगें।

सुविधाएं:-
- आँखों की मुफ्त जाँच, दवा, मोतियाबिन्द ऑपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण।
- शिविर में मोतियाबिन्द के मरीजो को भर्ती किया जायेगा।
- भर्ती किये जाने वाले रोगियों को निःशुल्क दवाईयाँ, भोजन व चश्में प्रदान किये जायेगें।
- जरुरत मंदो को नज़र के चश्मे प्रदान किये जाते है.

विशेष निर्देश
- मुँह पर मास्क लगाकर आवें
- आधार कार्ड एवं मतदाता पहचान पत्र एवं उनकी फोटोकॉपी साथ लावें एवं एक मोबाइल नंबर साथ लाएं
- कोविड के दोनों टिकाकरन का सबूत साथ लावें
- नेत्र रोग से सम्बन्धित सभी पुरानी पर्चियाँ साथ लायें।
- शिविर निश्चित समय 1 बजे समाप्त हो जायेगा। अतः समय पर आने का विशेष ध्यान रखें।

गोल्डन आई हॉस्पिटल
अपैक्स सर्किल के पास, मालवीय नगर, जयपुर
फोन : 4302184, 7792047756

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर

Website : www.nidan.com

NIDAN निदान सेवा संस्थान, जयपुर
मो. : 9950237722, 9413972073

सहयोग कर्ता :

शकुन्तला बिन्दायका, अध्यक्ष 9529421053, सुनीता गंगवाल, सचिव 8005878352 उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष 94134 90487
चित्रलता-मीनाक्षी जैन संरक्षक, अर्चना जैन, मधु पांडया, पुष्पा बिलाला, कांता पाटनी, बबीता जैन, अल्का, अंजना, अनिता, बीना, लता, शीला सेठी।

आदिश्वर धाम
अध्यक्ष – मुकेश जैन
सचिव – प्रवीण शाह
मैनेजर – नवल जैन 830222311

।। पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।। ।। पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।। ।। पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ।।

श्रुत पंचमी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा श्रुत पंचमी के अवसर पर 24 मई को अखिल भारतीय स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमे देश के विभिन्न भागों -बूंदी, कोटा, भीलवाड़ा, झालावाड़, जयपुर, सवाई माधोपुर, टोंक, उदयपुर, नीमच, ओरंगाबाद, हैदराबाद, खरगोन, गुलबर्गा, सनावन, बाराबंकी, विदिशा, पूना, मनाली, दिल्ली, चांदखेड़ी, सागर, विजयनगर, हरिद्वार, जबलपुर, गुरुग्राम, इंदौर, लखनऊ, बिलासपुर आदि स्थानों से प्रतिभागियों ने भाग लेने में अपनी रुचि दर्शाई। अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा ने बताया कि प्रतियोगित के परिणाम इस प्रकार रहे : प्रथम स्थान प्राप्तांक 48/50 श्रीमती प्रेमलता जैन धर्मपत्नि कमलेश जैन, जयपुर- सौ. सुखदा / अजित कोठारी, गुलबर्गा कर्नाटक। द्वितीय स्थान प्राप्तांक 46/50 श्रीमती आरती (डोली) जैन/ निर्मल बडजात्या,सवाई माधोपुर। चित्रांशु जैन, जयपुर ' तृतीय स्थान प्राप्तांक 45/50 श्रीमती गुणमाला/सुखानन्द काला, जयपुर।श्रीमती लता जैन, जबलपुर। मुकेश जैन, जयपुर। श्रीमती अनिता/सुनील मोदी विदिशा, श्रीमती कल्पना /संजय जैन, जलगांव ,श्रीमती प्रेरणा बाकलीवाल, नीमच, श्रीमती कांता पहाड़िया, हैदराबाद। अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर द्वारा सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी जाती है। चातुर्मास के दौरान विजेताओं को एक समारोह में पुरस्कार वितरित किये जाएंगे।

महावीर इंटरनेशनल स्पर्श द्वारा ड्रॉइंग प्रतियोगिता आयोजित

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। महावीर इंटरनेशनल के 48 वे स्थापना दिवस के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल स्पर्श अजमेर केंद्र द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से एक ड्रॉइंग प्रतियोगिता कर रहा है। सेंट्रल अकैडमी सीनियर सेकंडरी स्कूल अजमेर में चेयरपर्सन उषा जैन द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें छात्र व छात्राओं ने बढचढ कर हिस्सा लिया व अपना हुनर दिखाया। प्रतियोगिता में आयु के अनुसार 4 से 12 वर्ष, 13 से 25 वर्ष, 26 से 70 वर्ष में प्रथम, द्वितीय व तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में प्रिन्सिपल अजय सिंह, वाईस प्रिन्सिपल आलोक मिश्रा ने स्पर्श टीम को पूरा सहयोग दिया तथा श्रीमती उषा जैन व निकिता जैन को धन्यवाद दिया। अध्यापिका रश्मि ने सभी को आभार व्यक्त किया। अंत में स्कूल प्रांगण में विजेताओं के नाम घोषित किए गए। सभी छात्र छात्राएं इस प्रतियोगिता से खुश नजर आ रहे थे।

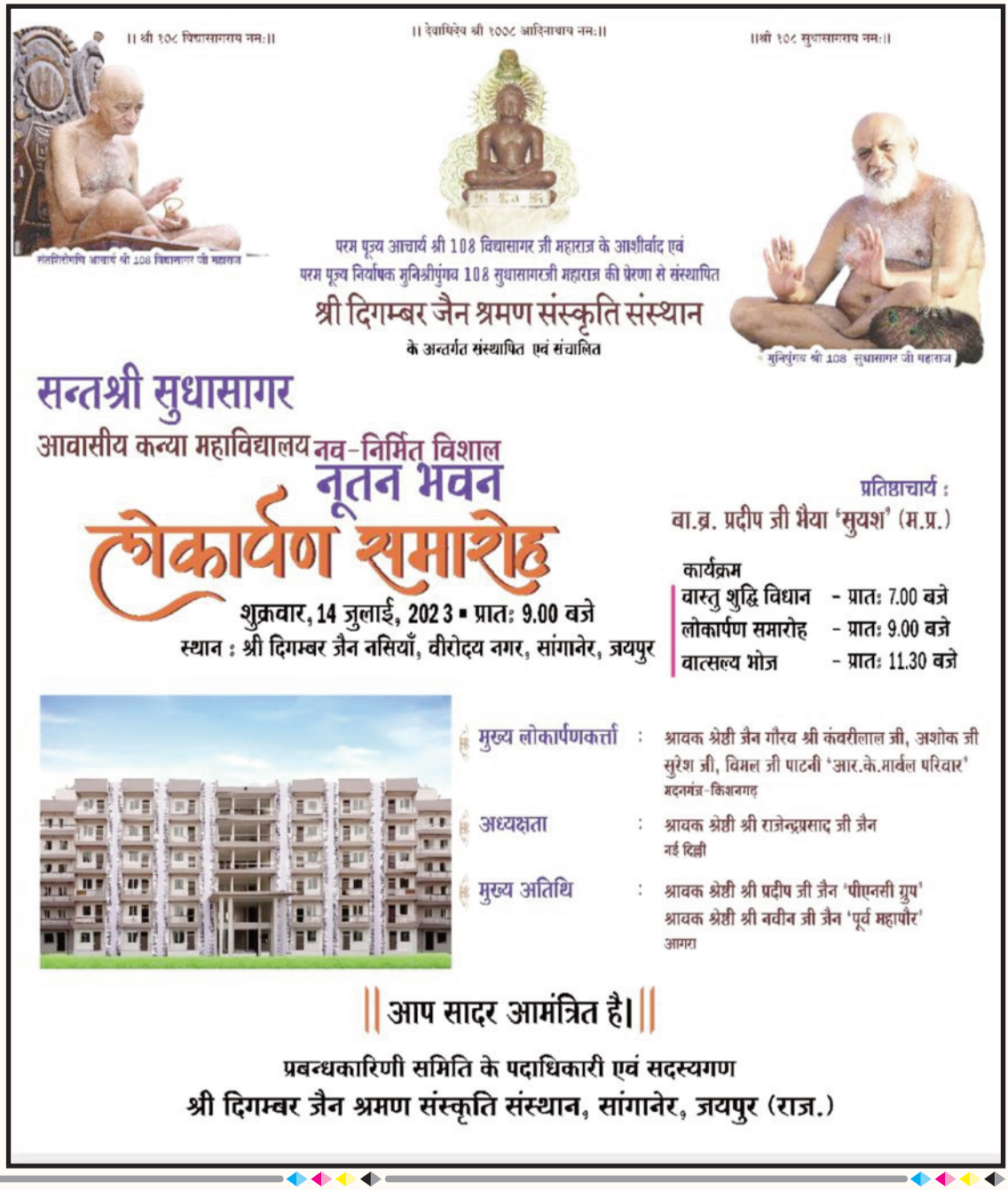

वेद ज्ञान

सबसे भ्रातृ भाव से व्यवहार रखने वाला ही सच्चा मनुष्य

किसी विचारक ने मनुष्यों और मानवेतर जीवों के बीच तुलना करते हुए यह कहा है कि सामान्यतः मनुष्यों और अन्य जीवों के बीच कोई बड़ा भेद इसलिए नहीं है; क्योंकि आहार, निद्रा, भय और मैथुन में जैसी प्रवृत्ति मानवेतर जीवों में होती है ठीक वैसी ही प्रवृत्ति मनुष्यों में भी होती है। वे तो यहां तक कहते हैं कि मनुष्य की अपेक्षा पशु-पक्षी आदि कामादि वृत्तियों में अधिक संयमित होते हैं। इसलिए मनुष्य तभी तक श्रेष्ठ है जब तक वह मनुष्यता से मंडित है। मनुष्यता किसे कहते हैं, इस विषय में भारतीय विचार परंपरा में विस्तार से प्रकाश डाला गया है जिसमें यह कहा गया है कि सच्चा मनुष्य वह है जो सभी के प्रति भ्रातृ-भाव से व्यवहार करता है। इसमें न वह वर्ण का विचार करता है और न धनी या गरीब का विचार करता है। सभी से सभी समय ऐसे हिल-मिल कर रहता है जैसे कोई अपने सगे भाई के साथ रहता है। सभी की आपत्ति-विपत्ति में साथ खड़ा रहता है और आवश्यकता पड़ने पर सभी की भरपूर मदद करता है। सामान्यतः मनुष्य की यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि वह प्रायः अपने में ही मस्त रहता है। दूसरे का सुख-दुख देखने का या तो उसे विचार नहीं आता अथवा ऐसा करने का उसके पास समय नहीं होता, पर यह तो पशु-प्रवृत्ति है जो सच्चा मनुष्य है वह अपने आस-पास यह देखता कि कोई आपत्तिग्रस्त तो नहीं है। कोई भूखा और दुखी तो नहीं है। यदि उसे ऐसा कोई दिखाई देता है तो वह कोई विलंब किए बगैर शीघ्र ही अभाव ग्रस्त व्यक्ति की अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करता है। यही मनुष्यता है। यद्यपि सहजभाव से मनुष्य में किसी के द्वारा अपने प्रति किए गए दुर्व्यवहार पर क्रोध आता है इसलिए इसके मन में भी दुर्व्यवहार करने वाले का अपकार करने की इच्छा जाग्रत होती है, किंतु मनीषियों का यह कहना है कि यह वृत्ति भी पशु-वृत्ति है। इसलिए जो मानवीय स्वभाववाला व्यक्ति है वह कभी भी अपने प्रति किए गए दुर्व्यवहार का उत्तर दुर्व्यवहार करके नहीं देता। मनुष्यता के स्वभाव वाला व्यक्ति अपने सद्भाव से ही दुर्व्यवहारी के मन को जीतता है और सदा दुर्व्यवहार करने वाले के साथ सद्व्यवहार ही करता है। मनुष्यता का एक बहुत बड़ा स्वभाव है जीवन में सत्य का आश्रय लेकर चलना।

संपादकीय

उत्तर भारत में हुई भारी बारिश भविष्य के लिए चेतावनी

पिछले तीन दिनों की बरसात में पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक उत्तर भारत में हुई तबाही भविष्य के लिए बड़ी चेतावनी है। हालांकि बीते कई सालों से बरसात में ज्यादातर नदियों का विनाशकारी रूप देखने को मिलता रहा है, मगर इस साल की बरसात ने कुछ अधिक भयावह रूप दिखाया है। पहाड़ों पर नदियों के कई पुल बह गए, मैदानी हिस्सों में नदियां अपने खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी हैं। न जाने कितने घर बह गए, अभी तक तेईस लोगों के मारे जाने की खबरें हैं। इसके चलते कारोबार और खेती-किसानी पर जो बुरा असर पड़ रहा है, उसके आंकड़े अलग हैं। कई जगहों पर राहत और बचाव के लिए सेना को तैनात करना पड़ा है। छोटे शहरों की अपेक्षा महानगरों में अधिक परेशानी देखी जा रही है। अभी अगले कुछ दिन और बरसात होने की भविष्यवाणी है। इसलिए अत्याधुनिक कहे जाने वाले शहरों के लोग भयभीत हैं। मुहल्लों और सड़कों पर पानी जमा है, जिसके चलते लोगों का घरों से बाहर

निकलना मुश्किल बना हुआ है। इस तरह शहरी नियोजन को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। विपक्षी पार्टियों के लिए सत्ता पक्ष पर आरोप लगाने का मौका मिल गया है। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि बरसात की वजह से हर साल उपस्थित हो जाने वाले इस संकट का स्थायी समाधान क्या है। बरसात तो पहले भी होती थी, बाढ़ भी आती थी, मगर ऐसी स्थिति कभी नहीं होती थी कि महानगरों में लोगों का घरों से बाहर निकलना दूभर हो जाए। दरअसल, पिछले कुछ सालों में बरसात का क्रम और रूप बदला है। पहले बरसात कई दिनों तक लगातार होती थी, अब कुछ घंटों की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। इसका बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। अब बरसात एकदम तेजी से होती है, बूंदों का आकार पहले की तुलना में काफी बड़ा हो गया है। फिर, जितना पानी दो-तीन दिनों में बरसा करता था, उतना कुछ ही घंटों में बरस जाता है, जिसके चलते अचानक पानी की मात्रा बढ़ जाती है और उसकी निकासी में काफी वक्त लग जाता है। इसका दबाव नदियों और बांधों पर भी पड़ता है। जहां पानी अधिक इकट्ठा हो जाता है, वहां के बांध खोल दिए जाते हैं, जिससे उन नदियों का जलस्तर भी एकदम से बढ़ जाता है, जहां बारिश कम या नहीं हुई होती है। जलवायु परिवर्तन का एक असर यह भी हुआ है कि कहीं तो खूब पानी बरस जाता है और कहीं सूखा होता है। इस तरह जिन इलाकों में बारिश नहीं होती वहां भी बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। ऐसे में बरसात की विभीषिका से निपटने के लिए कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है। आज भी शहरों की जल निकासी व्यवस्था दशकों पहले की बरसात के अनुरूप है, जबकि अब की बरसात बिल्कुल अलग है। जिस तरह जलवायु संकट गहराता जा रहा है, उसमें बरसात की प्रकृति और बदलने के अनुमान हैं। ऐसे में शहरों की जलनिकासी व्यवस्था को बदलने, जल निकासी के स्रोतों पर कब्जा करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने और नदियों की जल संग्रहण क्षमता को बढ़ाने के उपायों पर सोचना होगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

शिक्षा में गुणवत्ता

देश में शिक्षा के प्रसार के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम और अभियान चलाए गए और इसी का परिणाम है कि अब ज्यादातर बच्चे औपचारिक शिक्षा के दायरे में आ गए हैं। मगर इसी के समांतर इस बात की जरूरत भी महसूस की गई कि पढ़ाई-लिखाई के दायरे के विस्तार के साथ-साथ उसमें गुणवत्ता एक अहम पहलू है और इसे सुनिश्चित किए बिना शिक्षा के प्रसार की कोई खास अहमियत नहीं रह जाएगी। इसलिए खासकर स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता की समय-समय पर जांच के लिए कुछ मानक तय किए गए और उसके मुताबिक इस बात की पड़ताल की जाती है कि किस राज्य ने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की। स्कूली शिक्षा सूचकांक तैयार करने की इसी व्यवस्था के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जो ताजा ग्रेडिंग सूचकांक जारी किया है, उसमें पंजाब और चंडीगढ़ ने बेहतर प्रदर्शन तो किया है, लेकिन कोई भी राज्य या फिर केंद्र शासित प्रदेश तय दस श्रेणियों में से शीर्ष पांच हासिल नहीं कर पाए। यानी कहा जा सकता है कि शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर देश के सभी राज्यों में स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है। दरअसल, सभी राज्यों में पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ भी जितना हासिल करने में सक्षम हो सके हैं, उसे अधूरी कामयाबी कहा जा सकता है। तय मानकों में इन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। गौरतलब है कि सन 2017 में शुरू किए गए इस प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक में दस ग्रेड तय किए गए हैं। इसके आधार पर भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन की स्थिति का आकलन किया जाता है। इसका मकसद शिक्षा के मामले में राज्यों का ध्यान निवेश से परिणाम की ओर स्थानांतरित करने के अलावा लगातार वार्षिक सुधारों के लिए मानक तय करना, गुणवत्ता में सुधार, सबसे बेहतर साधनों को साझा करना और राज्य के नेतृत्व वाले नवाचार के प्रयोगों को प्रोत्साहित करना है। इसमें खासतौर पर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि इस संबंध में किए गए कार्यों का नतीजा क्या सामने आ रहा है और उसका प्रबंधन कैसे किया जा रहा है। यों भी अगर किसी कार्यक्रम के सालों साल चलते रहने के बावजूद उसकी गुणवत्ता में सुधार नहीं होता है तो उसका कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सकता। हालांकि देश में शिक्षा की सूरत में सुधार के लिए लंबे समय से प्रयास चलते रहे हैं। कई ठोस कार्यक्रम भी लागू किए गए, लेकिन हकीकत यह है कि सबसे बेहतर संसाधन वाले राज्यों में भी उम्मीद के अनुरूप नतीजे हासिल नहीं किए जा सके हैं। दरअसल, किसी कार्यक्रम के संचालित करने के समांतर गुणवत्ता के स्तर पर लगातार बेहतरी लाना एक अनिवार्य कसौटी होनी चाहिए। देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की तस्वीर का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले कई सालों से लगातार आने वाली रपटों में यही तथ्य सामने आता रहा है कि पांचवीं, छठी या उससे ऊपर की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चे भी दूसरी या तीसरी कक्षा की किताबें ठीक से नहीं पढ़-समझ पाते। जरूरत इस बात की है कि निचली कक्षाओं के बच्चों के बीच सीखने की प्रक्रिया को ज्यादा संगठित तरीके से संचालित किया जाए और उसमें नवाचार को बढ़ावा दिया जाए, ताकि शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। वरना, सीखने-समझने से वंचित स्कूली बच्चों से समूची शिक्षा व्यवस्था का एक अधूरा पटल ही तैयार होगा।

जिनवाणी के रूप में परलोक की पॉलिसी ही हमारे काम आएगीः डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा.

पुण्यवानी बढ़ानी है तो किसी की धर्मसाधना में कभी अंतराय मत डालो। रूप रजत विहार में साध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शादियों में मेहमानों के अलग-अलग रूम कल्चर से वहां भी आपस में मिलना -जुलना कम होता जा रहा है। पहले हॉल में ठहराने से आपस में परिचय भी बढ़ता था ओर स्नेह भी पनपता था। अब घटने की बजाय आपसी दूरियां बढ़ती जा रही है। परिवारों में स्नेह का वातावरण कम हो गया है। हमार स्टेण्डर्ड बढ़ता जा रहा है पर लाइफ का स्टेण्डर्ड नीचे जा रहा है। याद रखे जब तक पुण्यवानी है धन का साथ है उसके जाते ही धन को विदा होते हुए भी देर नहीं लगेगी। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमे पुण्यवानी बढ़ानी है तो किसी की धर्मसाधना में कभी अंतराय मत डालो। आप दूसरें के रोड़े डालेंगे तो आपके भी काम में रोडे अवश्य आएंगे। इस लोक की पॉलिसी आपके बच्चों के काम आएगी लेकिन परलोक में तो जिनवाणी की पॉलिसी ही काम आएगी। साध्वीश्री ने कहा कि आप कितनी भी पॉलिसी करा ले संतान का भाग्य, पुण्यवानी व कर्म को नहीं बदल सकते। इसलिए अभी भी संभल जाए और धर्म साधना से स्वयं को जोड़ ले। गुरू आपको समझाते भी है, सावधान भी करते है ओर समस्या का समाधान भी देते है। दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी आत्म उत्थान की परम सीढ़ी है। स्थानक आने से आठों कर्मो की निर्जरा होती है। गुरू दर्शन करने पर धर्म की साधना के साथ जीवन जीने की कला का भी ज्ञान होगा। इससे हमारी सोच, विचार, आचरण,व्यवहार एवं ह्दय में परिवर्तन होगा।

पाप और पुण्य करना इंसान के स्वंय के हांथो मे हैं : साध्वी प्रितीसुधा

सुनिल चपलोत। शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। पाप पुण्य करना इंसान के हांथ मे हैं । प्रखर वक्ता साध्वी प्रितीसुधा ने बुधवार को अहिंसा भवन के मरूधर केसरी दरबार मे श्रोताओं को धर्मसंदेश देतें हुए कहा कि केवल इच्छा मात्र से मनुष्य जीवन मेंपुण्य नहीं कर सकता। पुण्य करने के लिए मनुष्य को परिश्रम और शुद्ध भावना रखकर पुण्य करें। मनुष्य सदैव पाप करके भूल जाता है,कि इसका परिणाम उसको भुगतना पड़ेगा। इंसान सदैव अपने से कमजोर व्यक्तिओं का अहित करता है, जबकि वह अपने कर्म बांध रहा है। आज मनुष्य धर्म से विमुख होकर अधर्म के मार्ग पर चलकर पाप पर पाप करता जा रहा है। मनुष्य के पाप और पुण्य ही उसके जीवन को संचालित करते हैं। धर्म कौई सा भी हो, परन्तु मनुष्य के पाप और पुण्य का लेखा जोखा रहता है। इंसान अच्छे कर्म,धर्म और पुण्य करेगा तो वह अपनी आत्मा को परलोक मे सुख दिला सकता है। साध्वी संयम सुधा ने धर्मसभा मे भजन के माध्यम से कहा कि इंसान पाप किये जाता है। और धर्म ध्यान पुण्य करने से जीवन में घबराता है। इस दौरान धर्मसभा मे संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, हेमन्त आंचलिया, अशोक पोखरना, सुशील चपलोत,संदीप छाजेड़,अमरसिंह संचेती, शांतिलाल कांकरिया एवं चंदनबाला महिला मंडल की नीता बाबेल,रजनी सिंघवी,उमा आंचलिया मंजू बापना, पूर्वसभापति मंजू पोखरना आदि पदाधिकारियों और सैकड़ों श्रावक -श्राविकाओ की धर्मसभा के दौरान उपस्थित रही। संघ महामंत्री रिखबचन्द पीपाड़ा ने बताया कि दिनांक 13 जुलाई गुरूवार को साध्वी मंडल के सानिध्य में प्रवचन के समय पंचरंगी का कार्यक्रम रखा गया है, जिसमे सभी भाई -बहन पांच- पाच सामायिक के साथ स्वाध्याय और महामंत्र नवकार का सामूहिक जाप मे भाग लेगे।

1960 की ऐतिहासिक रेल हडताल की 63वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी का आयोजन

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन के आव्हान पर आज देशभर में 1960 की ऐतिहासिक रेल हड़ताल की 63वीं वर्षगांठ पर रेलकर्मचारियों ने इस हड़ताल में शहीद हुये रेलकर्मचारियों को याद में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यूनियन के मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि रेल हड़ताल की 63वीं वर्षगांठ की श्रृंखला में आज मंडल यूनियन कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन कर 1960 की ऐतिहासिक रेल हड़ताल के अमर शहीदों को 2 मिनट का मौन धारण कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर यूनियन के महामंत्री मुकेश गालव ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुये बताया कि 1960 की ऐतिहासिक हड़ताल में रेलकर्मचारियों से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगे जैसे न्यूनतम वेतन, डीए का भुगतान, केन्द्रीय कर्मचारियों की सुविधाओं एवं अधिकार में कटौती, एक उद्योग में एक यूनियन तथा औद्योगिक विवादों को सुलझाने हेतु विभागवार बोर्ड की स्थापना जैसे विषयों को सरकार के समक्ष उठाया गया था जिन पर निर्णय नहीं होने के कारण रेलकर्मचारियों को ऑल इण्डिया रेलवेमैन्स फैडरेशन के नेतृत्व में रेल हड़ताल को मजबूर होना पड़ा जो 11-12 जुलाई 1960 की मध्य रात्रि का प्रारंभ हुआ। इस हड़ताल में पश्चिम रेलवे के दाहोद स्टेशन पर 5 रेलकर्मचारी पुलिस की गोलियों का शिकार होकर वीरगति को प्राप्त हुये जिनकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष आज के दिन इन शहीदों को यादकर मजदूर आन्दोलन के गौरवशाली इतिहास की गाथा को आम मजदूरों तक यूनियन द्वारा पहुंचाया जाता है।

जैन मुनि कामकुमार नंदी जी महाराज की जघन्य हत्या के विरोध में सड़कों पर उतरा जैन समाज

जलूस निकालकर घंटाघर चौक पर किया प्रदर्शन, जताया आक्रोश, सौपा ज्ञापन

ललितपुर. शाबाश इंडिया

कर्नाटक में दिगम्बर जैन आचार्य काम कुमार नंदी जी महाराज की निर्मम हत्या पर आक्रोशित जैन समाज ने आज घंटाघर चौक पर प्रदर्शन कर आरोपियों को कठोर दण्ड एवं जैन संतों की सुरक्षा हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार का ध्यानकर्षित किया। आज प्रातःकाल जैन अटामंदिर से जलूस प्रारम्भ हुआ जिसमें महिलाएं- बच्चे- बूढ़े सम्मलित रहे। हाथों में तखतियां लेकर हमलावारों को दण्डित किए जाने एवं जैन साधुओं की सुरक्षा के लिए मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी घंटाघर चौक पर पहुंचे और नारेबाजी की। ज्ञापन में बताया गया है कि आजाद भारत में पहली घटना है कि इतनी निर्ममता से जैन संत का अपहरण कर उनकी हत्या की गई। उल्लेखनीय है कि गत 5 जुलाई को कर्नाटक के बेलगाम चिक्कोड़ी के पास हिरेकोड़ी जैन तीर्थ में साधनारत जैन आचार्य काम कुमार नंदी जी की हत्या कर उनके शरीर के टुकड़े- टुकड़े करके बोरवेल में डाल दिया था। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करे, उच्च स्तरीय जांच हो, अन्यथा उग्र आन्दोलन में जैन समाज पीछे नहीं रहेगी। प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे उपजिलाधिकरी अमित कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय को जैन पंचायत के अतिरिक्त स्वयंसेवी संघटनों ने ज्ञापन सौपा। जिसपर उन्होंने शासन तक उनकी मांग पहुचाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में दिगम्बर जैन पंचायत, गोलालारी जैन समाज, तारण तरण युवा परिषद, उद्योग व्यापार मण्डल, जैन मिलन, दयोदय पशु संरक्षण केन्द्र, विश्व हिन्दू महासंघ, वीर व्यायामशाला, वीरसेवा संघ, स्याद्वाद शिक्षण परिषद, महिला जैन समाज, भगवान महावीर नेत्र चिकित्सालय, स्यादवाद वर्धमान सेवा संघ ,जैन मिलन, कमंडल सेवा मंडल,अन्नपूर्णा सेवा संघ, प्रभावना जनकल्याण परिषद, तीर्थक्षेत्र कमेटी उत्तर प्रदेश, महासभा सहितअनेक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष अनिल अंचल, महामंत्री डॉ. अक्षय टडैया, महेन्द्र मयूर अखिलेश

गदयाना, जिला उद्योग व्यापार मंडल ललितपुर के अध्यक्ष, सुरेश बडेरा, जिला वरिष्ठ महामंत्री प्रदीप सतरबांस, जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई, उद्योग मंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ, विश्व हिंदू परिषद नवल सोनी, संजय जैन, संभव सिंघई ,अजय साइकिल ,डॉ. सुनील संचय, डॉक्टर संजीव कड़की, राजकुमार कैप्टन ,श्रीश सिंघई, सिंघई सानू बाबा, मंगू पहलवान, रवि चुनगी, विजय कॉफी हाउस, लोकेश जैन, निखिल जैन ,जिनेंद्र क्वालिटी, समित समैया ,मनोज पंचम ,अमित प्रिय सुरेंद्र रसिया, राजेश बड़कुल, राजकुमार इमलिया,कुशचंद जैन एड. अक्षय अलया, मनोज जैन बबीना, पार्षद आलोक जैन मयूर ,नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन, अजय जैन साइकिल, पूर्वपार्षद पंकज जैन, कैप्टन राजकुमार जैन, अयांस जैन, विजय जैन लागौन, महेन्द्रन पचमनगर, अंकुर जैन शानू, सुरेश बडेरा, डॉ. हुकुमचंद पवैया, अजय बरया, राहुल जैन, संजीव जैन सौरया, मीना इमलया आदि शामिल रहे।

आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने कहा...

माता तू दया करके, कर्मों से छुड़ा देना, इतनी सी विनय तुमसे चरणों में जगह देना

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर एवं सोशल ग्रुप फेडरेशन , इंदौर रीजन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रसंत आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने बड़ा गणपति स्थित , मोदी जी की नसिया, इंदौर में अपने प्रवचनों प्रवचनों की शुरूआत यह कह कर की

माता तू दया करके,
कर्मों से छुड़ा देना
इतनी सी विनय तुमसे,
चरणों में जगह देना

गुरु देव कहते हैं माता याने जिनवाणी मां हे मां तुम दया करो। जीवन में दो माताओं का उल्लेख है, एक ममता की मां,जो हमें जन्म देती है दुसरी, मां भाव देती है , समता का भंडार है वो। दूसरी मां जिनवाणी माता याने समता की माता। एक के पास प्यार, दुलार से भरपूर है तो दूसरी मां के पास समता , ज्ञान भरपूर है। एक ममता का पाठ पढ़ाती है, तो दूसरी ज्ञान ,समता का पाठ पढ़ाती है। हमने जन्म लिया ममता की माता की गोद से और किलकारियां भरी जिनवाणी माता की गोद में। यह माता हमारा इतना ध्यान रखती है कि हमें सिद्धालय भेज देती है। समता हमें निर्ममता का भाव सिखाती है, अपनी आत्मा पर दया मत करो, अपनी आत्मा पर निर्ममता का भाव ही सबसे बड़ी दया है। गुरु देव बताते हैं कि संसार यदि उत्तर दिशा की ओर है तो मोक्ष दक्षिण दिशा की ओर है, इन दोनों में 36 का आंकड़ा है। गुरु देव ने कहा कि जिनके पास 24 तीर्थंकर हो वह व्यक्ति कैसे परेशान हो सकता है ? यह पंचम काल का हाल है यहां कर्म किसी को नहीं छोड़ते डरो तो कर्म से डरो, पाप से डरो। हम हंसी हंसी में कर्म बांध लेते हैं वही कर्म उदय में आते जाते हैं और हमें तकलीफ देते हैं। आपने, देव, शास्त्र, गुरु पर श्रद्धा के कारण एक विशेष स्थान बना रखा है। महावीर के भक्त होकर आपमें एकता का अभाव है, समाज कम है ,मंडल अधिक हो गए। यदि मंडल - कमंडल से जुड़े रहो तो संस्कारों से भर जाते हो और दूर रहते हो तो अहिंसा से भर जाते हो,। हमें अज्ञानता को तोड़ना है। एक पत्रकार ने आचार्यश्री से पूछा कि आप महाराज क्यों बन गए ? तो गुरु वर ने कहा कि भगवान बनने के लिए। फिर उसने प्रश्न किया कि आपने अपने मां-बाप परिवार को छोड़ दिया तो आचार्य श्री ने कहा कि हमने अपने मां-बाप का नाम रोशन कर दिया। हम सबके दिल को जीतेंगे। गुरु देव ने कहा कि, जो सब देते हैं , वह हम नहीं देते , पर जब भी देते हैं तो किसी से कम नहीं देते , विश्वास ना हो तो इस चातुर्मास में देख लेना हम तो आपकी खाली झोलियां को भर देंगे। मुनि श्री विजयेश सागर जी महाराज ने कहा कि भगवान अंधकार को नष्ट करने वाले तो आपके चरण है, यदि यह चरण दूर हो गए तो हम संसार में अनंत काल तक भटकते रहेंगे। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आज आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज जी के पावन सानिध्य में, समाज के अध्यक्ष राजकुमार जी पाटोदी, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका हंसमुख गांधी, योगेंद्र काला, राजेंद्र सोनी, नीरज मोदी, पारस पांड्या, ऋषभ पाटनी, पुर्व पार्षद मनोज काला,पवन जैन,प्रिंस पाल टोंग्या, रितेश पाटनी, आदि ने भाग्यशाली कूपन का विमोचन किया, ताकि इंदौर की संपूर्ण समाज का। अनिमेय पावन वर्षा योग - 2023 से जुड़ सकें। चातुर्मास निष्ठापन पर भाग्यशाली साधमीयों को गुरुवर द्वारा मंत्रित रजत मंगलमय कलश प्रदान किए जाएंगे। धर्म सभा के प्रारंभ में मंगलाचरण प्रियंका दीदी द्वारा किया गया। धर्म सभा का सफल संचालन कमल काला द्वारा किया गया।

राज्यपाल के नाम ज्ञापन एडीएम प्रशासन को दिया ज्ञापन

पार्श्वनाथ जैन गुरुकुल आश्रम के अधिष्ठाता मुनि कामकुमार नंदी की जघन्य हत्या की निंदा की

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया।

भीलवाडा। सकल जैन समाज की ओर से आज राज्यपाल के नाम ज्ञापन एडीएम प्रशासन राकेश गोयल को देकर पिछले दिनों में कर्नाटक में चिक्कोडी जिले के हीरे खोडी ग्रामीण इलाके में पार्श्वनाथ जैन गुरुकुल आश्रम के अधिष्ठाता मुनि कामकुमार नंदी की जघन्य हत्या की निंदा करते हुए अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक मुकदमा चलाकर दण्ड देने की मांग की। साथ ही जहां-जहां जैन मुनि है, वहां उनकी सुरक्षा की उचित व्यवस्था करने की मांग की। इस अवसर पर सुशील डांगी अध्यक्ष जीतो, नरेश गोधा अध्यक्ष आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर आरके कॉलोनी, सुभाष जैन हूमड़ डायरेक्टर जीतो, सोहनलाल गंगवाल अध्यक्ष स्वाध्याय भवन, राकेश पाटनी अध्यक्ष हाउसिंग बोर्ड, महेंद्र छाजेड़ अध्यक्ष शांति भवन स्थानकवासी, राजेंद्र सुराणा मंत्री शांति भवन स्थानकवासी, जसराज चोरडिया अध्यक्ष तेरापंथ सभा, योगेश चंडालिया मंत्री तेरापंथ सभा, सुशील शाह आदिनाथ नवयुवक मंडल उपस्थित थे। इस संदर्भ में आर . के.कॉलोनी में विराजमान मुनि आदित्य सागर जी महाराज ससंघ ने इस घटना पर दुख प्रकट करते हुए सकल जैन समाज को एकत्रित होकर राज्य एवं केन्द्र सरकार के स्तर पर समाज की आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होने बताया कि कर्नाटक में मुनि कामकुमार नंदी महाराज की प्रेरणा से गुरुकुल संचालित वहां ग्रामीणों एवं क्षेत्र के पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा एवं भोजन आदि का कार्य किया जा रहा है।

जैन मुनि की हत्या के विरोध में जैन समाज ने मौन जुलूस निकाला

प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। पिड़ावा में बुधवार को सकल दिगम्बर जैन समाज ने कर्नाटक में हुई जैन मुनि की हत्या के विरोध में मौन जुलूस निकालकर प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम अभिषेक चारण को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व शहर के सांवलिया पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र बड़ा जैन मंदिर में बड़ी संख्या में जैन समाज के धर्मावलंबी एकत्रित हुए। यहां से मौन जुलूस प्रारंभ हुआ। जिसमें कई लोग हाथों में बैनर व झण्डियां लिए चल रहे थे। जुलूस शहर के सेठान मोहल्ला, सुल्तानपुरा, सुभाष चौक, वीडियो चौराहा, नयापुरा, आजाद चौक, बस स्टैंड मार्ग होते हुए एसडीएम कार्यालय के सामने पहुंचा। जहां जैन समाज ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री में नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि गत दिनों कर्नाटक राज्य में स्थित बेलगांव के चिकोड़ी जिले में दिगम्बर जैन मुनि काम कुमार नन्दी महाराज की असामाजिक तत्वों ने निर्मम हत्या कर दी है। जिससे समूचे जैन समाज मे आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में हत्या के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने एवं जैन मुनियों को सभी राज्यों में सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में दिगम्बर समाज अध्यक्ष अनिल चेलावत, कमल कासलीवाल, भूपेंद्र जैन, सुखमाल जैन, भारत भूषण प्रेमी, मुकेश मासूम, कवि अनिल उपहार, नीलेश जैन, कोमलचन्द जैन, राहुल जैन आदि मौजूद रहे।

दिल्ली में ऐतिहासिक चातुर्मास कलश स्थापना संपन्न

समारोह में महिलाओं व बच्चों ने अनेकों प्रेरक व मनमोहक धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से खूब सराहा। गुरुभक्तों द्वारा आचार्य श्री की अष्ट-द्रव्य के सुसज्जित थाल द्वारा विशेष पूजन किया गया ।

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र लाल मन्दिर में होने जा रहे प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज 'छाणी' परंपरा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज एवं गणिनी आर्यिका श्री 105 चन्द्रमती माताजी के मंगल चातुर्मास हेतु भव्य कलश स्थापना समारोह का ऐतिहासिक आयोजन व्यापक धर्मप्रभावना के साथ इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के प्रांगण में सानंद संपन्न हुआ। समाज के सौभाग्यशाली महानुभावों द्वारा ध्वजारोहण, मंगलाचरण, चित्र

अनावरण, जिनवाणी विराजमान, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेंट व पाद-प्रक्षालन आदि मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुईं। मंच संचालन ब्र. राजकिंग भैया द्वारा किया गया। परम आदरणीय भट्टारक श्री सुरेन्द्र कीर्ति स्वामी तथा बा. ब्र. जय निशांत भैया ने पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह में महिलाओं व बच्चों ने अनेकों प्रेरक व मनमोहक धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से खूब सराहा। गुरुभक्तों द्वारा आचार्य श्री की अष्ट-द्रव्य के सुसज्जित थाल द्वारा विशेष पूजन किया गया । चातुर्मास मुख्य कलश स्थापित करने का परम सौभाग्यश्रीमती पुष्पा जैन सपरिवार (मॉडल टाउन), प्रमोद जैन सपरिवार 'महावीरा' (अशोक विहार) तथा नितिन जैन सपरिवार (विवेक विहार) को प्राप्त हुआ। अनेक सौभाग्यशाली महानुभावों ने विशेष चातुर्मास कलश स्थापित कर पुण्यार्जन किया। भक्तों को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि यह चातुर्मास केवल एक क्षेत्र का नहीं है, अपितु पूरे दिल्ली-एनसीआर का संयुक्त चातुर्मास है। इस अवसर पर आचार्य श्री का पिच्छी व कमण्डलु परिवर्तन भी संपन्न हुआ। आचार्य श्री की पुरानी पिच्छी लेने का सौभाग्य अरुण जैन सपरिवार, कोसी कलां को प्राप्त हुआ। विशाल धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास बाह्य यात्रा को विराम देकर अंतरंग की यात्रा को गति प्रदान करने का स्वर्णिम अवसर होता है। चातुर्मास का अवसर जीवन को सन्मार्ग की ओर ले जाने का माध्यम है। संत तो एक स्थान पर रूककर तथा साधना कर अपने कर्मों की निर्जरा कर लेता है, परन्तु श्रावकों को भी इस मौके का फायदा उठाने के लिए घर से निकल संत की चरण-सन्निधि में आना ही होगा। आर्यिका श्री ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए चातुर्मास काल में धर्म ध्यान आदि मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। इस भव्य समारोह में राजधानी दिल्ली की विभिन्न कालोनियों के साथ-साथ गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, बागपत, अलवर, तिजारा, कोसी कलां, बड़ौत, शामली, बागपत, रेवाड़ी, गुरुग्राम आदि जगह-जगह से पधारे हजारों मुनिभक्तों ने आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

पद पंथ छोड़ो और समाज व साधु के पक्ष में खड़े हो जाओ : आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। दिल्ली के जैन श्रावकों दिखाओ की दिल्ली में जिंदा लोग रहते हैं। चल-अचल जैन तीर्थों पर हमले, पद-पंथ छोड़ो, पथ को जोड़ो, एकजुट हो, अकड़ छोड़ो ,आज एक व्यक्तित्व पर नहीं, दिगंबर संत के पिच्छी-कमंडल पर आक्रमण हुआ है। नेता लोग मंच पर श्री फल चढ़ाते हैं,मान सम्मान करवा तिलक लगवाते हैं और बिना प्रवचन सुने ही सभाओं से गायब हो जाते हैं। उक्त कथन बड़े आवेश में ऋषभ विहार दिल्ली में वर्षायोग रत आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ने व्यक्त किये। आचार्य श्री ने कहा कि दिगंबर साधुओं का 7वीं सदी से कत्लेआम हुआ था, तब सम्राटों द्वारा कुचक्र रचे जाते थे धर्मांतरण के लिये। लेकिन आज आजाद देश में दिगंबर साधु की नृशंस हत्या हो जाना, इतना बड़ा अपराध हो जाना और समाज फिर भी चुप बैठा रहे, तो हम नपुंसक ही कहे जाएंगे, दिल्ली के जैन श्रावकों को चेताते हुए कहा कि अरे ! कुछ तो ऐसा करो कि लोग कहें दिल्ली में भी जिंदा लोग रहते हैं। आज जैन समाज को खत्म करने का खेल चल रहा है, इतना बड़ा अपराध होने के बावजूद कोई भी नेता न तो ट्वीट कर घटना की भर्त्सना करता है, न ही इस पर आवाज बुलंद करता है। जैन समाज के साथ इतना कुछ हो जाता है और सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगती। आचार्य श्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज समाज में पंथवाद का जहर इतना फैला है कि साधु के आहार में भी दिक्कत आ जाती है। साधु नाम धारी लोग, ठेकेदार लोग, नेता लोग असुरों जैसा काम कर रहे हैं। पद-प्रतिष्ठा की चिंता है लेकिन अपनी चल-अचल तीर्थों की परवाह नहीं। अरे, कभी तो अपने समाज-साधु के पक्ष में खड़े होकर देखो। आज गहरे लोग चाहिये, जो जिनधर्म के लिये मरने के लिये तैयार हो जाएं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com